BSNLEU

# B S N L Employees Union

(Regd. No. 4896 ) M.P. Circle, BHOPAL

(The Only Recognised union in BSNL)

OFFICE:1195,Lal Kothi,Near Brij Sweets,Shahi Naka Road,Gulauatal,Garha,JABALPUR,(MP)

Phone:- 0761-2425789 Website:- www.bsnleump.org Mobile:- 94251 24499

Circle Secretary Email:srnayak68@yahoo.in Circle President

S.R.Nayak B.S.Raghuwanshi

क्रमांकः बीएसएनएलईयू एमपी/ दिनांक 28-10-2011

## फ्लेश न्यूज

# गई बचत पानी में

केन्द्र, राज्य, सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों, निजी कम्पनियों तथा किसानों सहित आम जनता की लगभग **10** लाख करोड़ रूपयों की जिन्दगी भर की बचत मिट्टी में मिल गई है। आम कर्मचारी, सेवा निवृत्त कर्मचारी तथा आम जनता अपने खून पसीने की कमाई से जिन्दगी भर में जो बचत करता है उसे बैंकों/पोस्ट आफिस में जमा करके अपने भविष्य की (बुढ़ापा खराब न होने पावे) को सुरक्षा के लिए निश्चिन्त रहता है। इसके साथ ही जी पी एफ/पी पी एफ/ई पी एफ एवं अन्य बचत योजनाओं के माध्यम से भी कर्मचारी वर्ग सहित आम जनता सामाजिक सुरक्षा के लिए अपनी मेहनत की कमाई का कुछ पैसा बचा कर रखता है। इस प्रकार से बचत की गई राशि को कर्मचारी वर्ग/पेंशनर्स सहित आम जनता अपने लड़के - लड़कियों की शिक्षा-दीक्षा करने, उनके विवाह करने तथा सिर के ऊपर छत खड़ी करने के लिए मकान आदि बनाने। क्रय करने के लिए व्यय करता है। एक अनुमान के अनुसार इस प्रकार से की गई बचत की लगभग **10** लाख करोड़ रूपयों की राशि बैंकों, पोस्ट आफिसों एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं में जमा है।

किन्तु आपराधिक आर्थिक नीति ने इन पूरी बचतों को मिट्टी में मिला दिया है। धातु (सोना-चांदी आदि) तथा रियल एस्टेट (जमीन) आदि की कीमतों में विगत **5** सालों में अकल्पनीय वृद्धि के कारण जनता की मौद्रिक बचत चौपट हो गई है। मान लीजिए कि किसी ने अब से **5-10** साल पहिले अपने रिटायरमेंट सेप्लिमेंट से प्राप्त **5** लाख रूपये बैंक में जमा किए थे। यदि वह जमीन खरीद लेता तो उसे **5-10** एकड़ खेती की जमीन मिल सकती थी या शहर में एक अच्छा प्लाट लेकर दो कमरे का मकान बना सकता था। इसी प्रकार यदि वह सोना खरीदना चाहता था तो **50** तोला सोना खरीद लेता। यदि यदि लड़की-लड़के की शादी करना चाहता था तो वह भी अच्छी तरह से कर सकता था।

किन्तु अब तो सब कुछ चौपट हो गया है। अब तो उसे **10** एकड़ की जगह आधा एकड़ जमीन भी मिलना कठिन है। इसी प्रकार उसका **50** तोला सोना (यदि खरीदा होता) भी अब सिर्फ **10-12** तोला ही रह गया है। ज्ञात इतिहास में इतनी बड़ी लूट का कोई उदाहरण नहीं मिलता। यह प्रत्यक्ष रूप से जनता की बचतों पर डकैती है। इसलिए इस डकैत व्यवस्था के विरोध में भी आंदोलन होना चाहिए।

आज **28-10-2011** को मुख्य धारा के सभी अखबारों ने फोर्ब्स पत्रिका के माध्यम से देश के खरब पतियों की सूची प्रकाशित की है तथा इन खरब पतियों को खूब महिमा मंडित किया है। किन्तु वास्तविक रूप से सरकार के संरक्षण में पलने वाले ये खरबपति ही डकैत संस्था के सदस्य हैं।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com